6.समाचार पत्र की आत्मकथा

1. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1.किन्हीं दो समाचार पत्रों के नाम बताइए
नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान टाइम्स आदि ।

2.हिन्दी का पहला समाचार पत्र कौन-सा है?
हिन्दी का पहला समाचार पत्र 'उदंत मार्तड़' है।

3.प्राचीन काल में राजा-महाराजा संदेश कैसे भेजते थे?
प्राचीन काल में राजा-महाराजा कबूतरों और संदेशवाहकों द्वारा संदेश भेजते थे।

4.समाचार पहुँचाने के नवीन साधन कौन-कौन से हैं ?
समाचार पहुँचाने के नवीन साधन, रेडियो, टेलीफोन, दूरदर्शन,कंप्यूटर आदि है ।

5.कन्नड़ का पहला समाचार पत्र कौन-सा है ?
कन्नड का पहला समाचार पत्र 'मंगलूरू समाचार' हैं।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.आजकल प्रचलित कन्नड़, अंग्रेजी और हिंदी के दैनिक अखबारों की सूची तैयार कीजिए

- कन्नड – संयुक्त कर्नाटका, विजय कर्नाटका, प्रजावाणी, उदयवाणी।
- अंग्रेजी – हिन्दुस्तान टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, डेक्कन हेराल्ड, इंडियन एक्सप्रेस, नवभारत टाम्स.
- हिंदी – दैनिक जागरण, राजस्थान पत्रिका, जनसत्ता, उदंत मार्तड आदि।

2.समाचार पत्रों में कौन-कौन से विषय होते हैं?
समाचार पत्रों में देश-विदेशों में घटनेवाली घटनाओं का विवरण, खेल-कूद, सिनेमा, मौसम संबंधी विज्ञापन, बाजार भाव, कृषि, व्यापार संबंधी, कार्टून, पदबंध, विवाह संबंधी विज्ञापन, परीक्षोपयोगी सामग्री, परीक्षा-फल आदि विषयों से संबीधत सूचनाएँ मिलती है

III. समझिए और लिखिए

1. दूरदर्शन – दूर + दर्शन – टेलिविजन
2. दूरभाषा – दूर + भाषा – टेलिफोन
3. दूरसंचार – 'दूर + संचार – टेलीकम्यूनिकेशन

IV. सही शब्द चुनकर लिखिए :

(सुन, पढ़, पढ़-सुन)

1. 'रेडियो' से समाचार सुन सकते हैं
2. दूरदर्शन में हम समाचार सुन और पढ़ सकते हैं।
3. समाचार पत्र पढ़ सकते हैं

V. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए :

1. समाचार पत्र ज्ञान का महंगा साधन है। (✓)
2. प्राचीन काल में कबूतरों के द्वारा संदेश भेजते थे। (✓)
3. रेडियो से हम समाचार पढ़ सकते हैं। (✗)
4. रोज़ समाचार पढ़ने से हमारा ज्ञान बढ़ता है। (✓)

VI. दोनों खंडों को जोड़कर नए शब्द बनाइए :

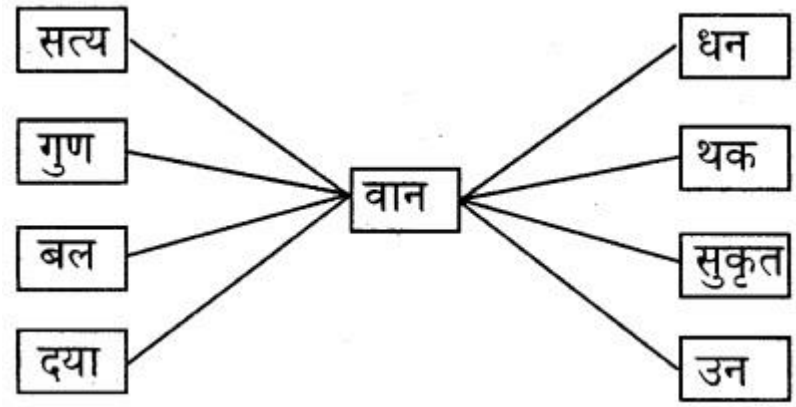

1.किन्हीं दो समाचार पत्रों के नाम बताइए

नवभारत टाइम्स, हिन्द

VII. मैं कौन ?

1.घर में हो तो कली
बाहर हो तो खिली
उत्तर: छतरी

2.दाना दुनका खाता हूँ
मैं भी पाला जाता हूँ।
शांति दूत सब कहते हैं,
पत्र भी देने जाता हैं।
उत्तर: कबूतर

VIII. नमूने के अनुसार विलोम शब्द लिखिए :
उदा : सुबह x शाम

1. अमीर x गरीब्र
2. अंदर x बाहर
3. जीना x मरना
4. ज्ञान x अज्ञान
5. सस्ता x वितस्ता
6. एक x अनेक
7. सरल x कठिन

IX. नमूने के अनुसार अलग – अलग अर्थ देनेवाले वाक्य लिखिए :

दो – 1. राधा के पास दो रुपये हैं।
दो – 2. लता को कलम दो।

अ. कल

1. मेरा दोस्त कल बेंगलूर जाते हैं।
2. आज मैं स्कूल जाऊँगा, कल नहीं आऊँगा।

आ. मत

1. अधिक भोजन मत खाओ ।
2. बेटा, तुम चिंता मत करो.

इ. पर

1. मेज़ पर किताबें हैं।

2. मैं लिखना चाहता था पर स्याही खत्म हो गई।

X. चित्र देखकर उनके लिए दो शब्द लिखिए :

1) समाचार-पत्र 2) अखबार

फूल, सुमन, पुष्प

घर, गृह, निलय

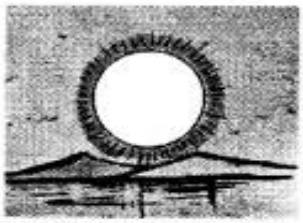

सूर्य, रवि, दिनकर

पेड़, वृक्ष, तरु

XI. नमूने के अनुसार सही वर्तनीवाले शब्द लिखिए :

	व्यक्ति	वैक्ती	व्यक्ति
1.	मसती	मस्ती	मस्थी
2.	सीख	सीक	सिक
3.	ससता	सस्ता	सस्था
4.	वीश्व	विश्व	वीष्व

भाषा ज्ञान

'दिवरुक्ति'

अखबार पढ़ते – पढ़ते हम चाय पीते हैं। इस वाक्य में पढ़ते शब्द की आवृत्ति हुई है। इसे द्विरुक्ति कहते हैं। ऐसे अन्य पाँच शब्द लिखिए।

पूरक वाचन

पढ़िए और लिखिए :

दूरदर्शन के माध्यम से हम संसार के किसी भी स्थान पर होनेवाली किसी भी घटना को सीधे प्रसारण दुबारा अपने घर बैठे – बैठे देख सकते हैं। विश्व के किसी भी कोने में होनेवाले खेलों का आनंद हम घर बैठे ले सकते हैं। दूरदर्शन केवल मनोरंजन को ही नहीं बल्कि ज्ञान का भी स्रोत है। यह हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के बारे में जानकारी उपलब्ध कराता है।
दूरदर्शन के माध्यम से देश में ही नहीं अपितु विदेश में हो रही घटनाओं, क्रियाकलापों तथा व्यापक सुधारों को जनसामान्य तक पहुँचाया जा सकता है। इसको जनसामान्य के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और मनुष्य अपनी जीवन-शैली को परिवर्तित करता है। दूरदर्शन सभ्यता व संस्कृति के प्रचार-प्रसार में सहायक होता है।

दूरदर्शन से शिक्षा, विज्ञान, व्यापार, चिकित्सा, युद्ध, कृषि व राजनीति आदि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त होती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में तो दूरदर्शन बहुत ही महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। शिक्षण -कार्य में दूरदर्शन के उपयोग से समय और धन दोनों की ही बचत होती है। सामान्य ज्ञान के विकास में तो दूरदर्शन बहुत ही उपयोगी साबित हुआ है। दूरदर्शन पर व्यावसायिक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव को देख सकते हैं। इसके द्वारा हमें शेयर बाज़ार की भी जानकारी प्राप्त होती है। दूरदर्शन मनोरंजन का एक उपयोगी साधन है। दूरदर्शन पर प्रसारित किए जानेवाले विभिन्न कार्यक्रम हमें स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करते हैं। केबल टेलीविजन के माध्यम से विश्व भर के चैनलों में से अपना मनपंसद चैनल चुनकर अपना मनोरंजन व ज्ञानवर्धन कर सकते हैं।

1. दूरदर्शन केवल मनोरंजन का ही नहीं बल्कि ज्ञान का भी स्रोत है।
2. दूरदर्शन सभ्यता व संस्कृति के प्रचार-प्रसार में सहायक होता है।
3. शिक्षण कार्य में दूरदर्शन के उपयोग से समय और धन दोनों की ही बचत होती है।